राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर, उ.प्र.-233001

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद, बेंगलुरू द्वारा B++ ग्रेड से प्रत्यायित)

कार्यालय : 0548-2220363 आवास : 0548-2220839
मोबाइल : .....

Website : www.gwpgc.ac.in
E-mail : ggpgc09@gmail.com, FAX : 0548-2220363

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में बौद्धिक सम्पदा अधिकार की महत्ता

आज दिनांक 12 नवम्बर 2020 को राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से "वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में बौद्धिक सम्पदा अधिकार की महत्ता " विषय पर एक ऑनलाइन एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सविता भारद्वाज ने कहाँ कि हमारी सभ्यता अत्यंत प्राचीन है। हमारे ऋषियों -मुनिओं ने वेद -पुराण सहित अनेक रचनाओं में अपने नामों का उल्लेख करना उचित नहीं समझा किन्तु वर्तमान पूँजीवादी व्यवस्था में ऐसा नहीं है।

आज खोजो, अविष्कारों और ज्ञान के स्रोतों पर कब्जा जमाने की होड़ लगी है। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार को निजी विशेषाधिकार मानने की बजाय इसका इस्तेमाल विस्तृत रूप से सामाजिक आर्थिक विकास में होना चाहिए। सृजनात्मक संसाधनों पर बाजार का कब्ज़ा न हो बल्कि उन तक जरूरतमंद लोगों की पहुंच सुनिश्चित हो। ऑनलाइन संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. बाला मुरगन, असिस्टेंट प्रोफेसर, पेरियार विश्वविद्यालय कोयंबटूर ने कहाँ कि जब पूरी दुनिया में इस बात पर बहुत तेज हुई है कि कैसे बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा किया जाए तब संयुक्त राष्ट्र संघ के अभिकरण के रूप में वैश्विक बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना हुई। बौद्धिक संपदा अधिकार प्रदान करने का मूल उद्देश्य अविष्कारों और सृजनशीलता को बढ़ावा देना है। आज पूरे विश्व में बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्व बढ़ गया है। कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, भोगौलिक पहचान पर हो रही बसें इसके प्रमाण है। भारत सरकार ने बौद्धिक संपदा के संरक्षण हेतु पेटेंट अधिनियम 1970 पेटेंट (संशोधन)अधिनियम 2005, ट्रेडमार्क अधिनियम1999, राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार नीति 2016 सहित अनेक कानून बनाये हैं। उन्होंने बताया कि हमारे यहाँ ज्ञान का भंडार हैं किन्तु आमजन को पेटेंट सम्बंधित कानूनों की जानकारी नहीं है। इसलिए सरकार को बौद्धिक सम्पदा अधिकार सम्बन्धी जानकारी को जन -जन तक पहुंचना होगा तथा पेटेंट प्रक्रिया को सरल बनाना होगा ताकि नवाचार तथा रचनात्मकता को बढ़ावा मिल सके। इस कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ हरेन्द्र यादव द्वारा किया गया तथा धन्यबाद ज्ञापन डॉ. पियूष सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में छात्राएं ऑनलाइन माध्यम से जुडी रहीं।

प्राचार्य
राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गाजीपुर